सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक 19 दिसंबर 2021

चयनित आदर्श गाँव

क्या हार में, क्या जीत में।
किंचित नहीं भयभीत मैं।
कर्तव्य पथ पर जो मिला
यह भी सही वह भी सही
वरदान नहीं मागूँगा।
हो पर कुछ हार नहीं मानूँगा।

-अटल बिहारी बाजपेयी

sf10idealvillage
suryaadarshgaonyojna
suryafoundation1
@suryafnd
surya_foundation
suryafoundation

गाँव के वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह
कादीपुर (काशी-उत्तर प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत वाराणसी जिले के कादीपुर गाँव में वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। फाउण्डेशन की योजना के अनुसार गाँव के ऐसे बुजुर्ग जिनकी आयु 75 वर्ष से अधिक है उनको सम्मानित किया गया क्योंकि यह पीढ़ी परतन्त्र भारत में जन्में और आज स्वतंत्रता के 75 वर्षों के अनुभवों को अपने मन में संजोए हुए है। आज लोग पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण अपने ही बृद्ध माता- पिता एवं प्रबुद्धजनों का आदर सत्कार नहीं करना चाहते हैं, ऐसे में उनका सम्मान करना उन लोगों के लिए बड़े ही गर्व एवं सुख की अनुभूति कराना है।

घर तथा समाज के बृद्ध जन हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत होते हैं। इसलिए उनका अनादर नहीं बल्कि सम्मान सहित आदर करना चाहिए। इसी भाव को लेकर समाज मे जागरण का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतमाता चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया गया। उपस्थित सभी वरिष्ठजनों को तिलक, पटका एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। काशी क्षेत्र प्रमुख श्री कुलदीप जी ने आए हुए लोगों को देवतुल्य बताते हुए गाँवों में चल रही गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिखर कान्वेंट स्कूल के प्रबंधक एवं नगर बौद्धिक प्रमुख (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) श्री विनोद द्विवेदी जी ने बतायाछ कि देश को आजादी कैसे मिली? आप लोगों से बेहतर कौन जानता है, सदैव सभी माता-पिता तुल्य वरिष्ठजनों का आशीर्वाद एवं अनुभव नई पीढ़ी को मिलना चाहिए ताकि आज इस बिगड़ते हुए समाज को सुधारा जा सके। कार्यक्रम में सेवाभावी बहनें श्रीमती रीमा देवी एवं श्रीमती सुमन देवी का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम के माध्यम से गाँव के 10 पुरुषों एवं 65 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

अन्य कार्य

- **435 ग्रामीण लोगों का ई-श्रम कार्ड बनवाया गया।**
- **संस्कार केन्द्र के 28 बच्चों द्वारा अटल बिहारी बाजपेयी एवं मदनमोहन मालवीय जी की जयंती मनायी गयी।**

''जैविक खेती''
किसानों का बढ़ा रही हौसला
सलोई (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश, गंजबासोदा के सलोई गाँव के किसान सनमान सिंह रघुवंशी बताते हैं कि मेरे पास 15 एकड़ भूमि है। हमारी तहसील गंजबासौदा के ग्राम सलोई में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा 29 फरवरी, 2020 को जैविक कृषि सम्मेलन का आयोजन किया गया था। जिसमें आसपास के गाँव के कई किसानों ने हिस्सा लिया। मैंने भी इस सम्मेलन में भाग लिया। इसके बाद मैंने सूर्या फाउण्डेशन की प्रेरणा से जैविक खेती करने का मन बनाया और अपनी 1 एकड़ भूमि में जैविक खेती की शुरुआत की। इसके बाद में कई जैविक खेती करने वाले किसानों से मिलकर उनके अनुभव हासिल किए।

आज मैं 3 एकड़ भूमि में गेहूँ, चना, हल्दी की जैविक खेती कर रहा हूँ। साथ ही मैंने गौशाला का निर्माण भी किया है। मेरी गौशाला में 20 देशी गौवंश है। अब में पूर्णत: देशी गाय के गोबर, गोमूत्र से जैविक खाद बनाकर जैविक खेती कर रहा हूँ। मेरा लक्ष्य है कि मैं अपने इस कार्य को आसपास के ज्यादा से ज्यादा गाँवों के किसानों तक पहुँचाकर लोगों को जैविक खेती एवं गाय का महत्व समझा सकूँ। एक गाय से किसान एक एकड़ की जैविक खेती आसानी से कर सकता है। इसके साथ ही मैंने गाय के गोबर से बाजार में मिलने वाली कई वस्तुएँ बनाना भी शुरू किया है। जैसे दीपक, शुभ लाभ, फोटो फ्रेम, हवन के लिए उपले, तोरण, नेम प्लेट आदि।

आज मुझे किसान संघ से बीस हजार गाय के गोबर से बने उपले बेचने का काम भी मिला है, जिससे मुझे देशी गाय के गोबर से ही एक रोजगार मिला। इस धनराशि का उपयोग से में आगे अपनी गौशाला को और अच्छा बनाने में करूँगा। आज रासायनिक खादों के अधिक प्रयोग से उपजाऊ मिट्टी बंजर होती जा रही है। जिससे कई प्रकार की बीमारियाँ लोगों को हो रही हैं। अगर हमे जीवन में स्वस्थ रहना है और आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखना है तो सभी को देशी गाय रखना और जैविक कृषि करना आवश्यक है। गौ-उत्पाद निर्माण से मुझे एक अच्छी आमदनी भी हो रही है।

मैं सूर्या फाउण्डेशन का बहुत आभार व्यक्त करता हूँ जिनसे मुझे ये प्रेरणा मिली। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं देशी गाय के लाभ और जैविक खेती के प्रचार-प्रसार में अपना पूरा जीवन लगाऊँगा।

अन्य कार्य

- **गाँव के तीन किसानों ने जैविक खाद बनाकर इंदौर में मार्केटिंग शुरु की।**
- **मंदिर पर सार्वजनिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया।**

गाँव में चलाया पॉलिथीनमुक्त अभियान - गाँव-बसई (उत्तराखण्ड)

आज पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य घटक प्लास्टिक है, हमारे देश में औसतन 30 मेट्रिक टन प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन निकलता है। इसमें सिर्फ 10 मैट्रिक टन कचरा ही शोधन के लिए एकत्रित हो पाता है। इस चुनौती से निपटने व लोगों को जागरुक करके गाँव को पॉलिथीन मुक्त गाँव बनाने की दिशा में काशीपुर क्षेत्र के बसई का मंझरा गाँव के परिवारों में कपड़े के थैला का वितरण कार्यक्रम किया गया। गाँव में ही संचालित सूर्या सिलाई केंद्र की 05 महिलाओं ने अपने केंद्र पर कपड़े का थैला बनाने का कार्य शुरु किया है। गाँव की महिलाओं के द्वारा शुरू की गई छोटी सी पहल ने गाँव को पॉलिथीन मुक्त गाँव बनाने की राह दिखाई है। थैला वितरण कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राज्य आजीविका मिशन जसपुर ब्लॉक के प्रमुख हरेंद्र बिष्ट जी, सूर्या रोशनी-एच.आर. महाप्रबंधक संजीव कुमार जी, सूर्या फाउण्डेशन से भरतराज जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में हरेंद्र बिष्ट जी ने बताया कि गाँव को पॉलिथीनमुक्त बनाने में गाँव के जनमानस की सहभागिता जरूरी है, जनमानस की सहभागिता से कार्य को जल्द ही पूरा किया जा सकता है। हम अपने दैनिक उपयोगी कार्यों में कपड़े के थैले का प्रयोग करें तो हमारा गाँव पॉलिथीनमुक्त गाँव बन सकता है। पॉलिथीन के कारण हमारी उपजाऊ जमीन बंजर हो रही है। समय रहते हमे इसके उपयोग को रोकना होगा। गाँव वाले अगर किसी कार्य को करने का मन में ठान ले तो वह कार्य आसानी से संभव हो जाता है। सूर्या फाउण्डेशन व गाँव वालों की सहभागिता से गाँव के सभी परिवारों में कपड़े का थैला वितरित किया गया। साथ ही गाँव वालों ने पॉलिथीनमुक्त गाँव बनाने का संकल्प भी लिया।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर 22 बच्चों द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी व मदन मोहन मालवीय जयंती कार्यक्रम किया गया।
- जैविक खेती कर रहे 12 किसानों की बैठक की गई।
- सिलाई केन्द्र पर 18 महिलाओं की बैठक की गई।

प्लास्टिक हटायें, जीवन बचायें।
इस धरती को स्वच्छ बनायें।

पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन (पेण्ड्री छत्तीसगढ़)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के तहत पूरे देश में 18 राज्यों के 400 से अधिक गाँव में अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न प्रकार के सेवाकार्य जैसे पशु चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य शिविर, किसान गोष्ठी, भारत दर्शन, बुजुर्ग सम्मान, सैनिक सम्मान, मातृशक्ति सम्मेलन, विद्यार्थी सम्मान, प्रतिभा खोज, खेलकूद, कौन बनेगा स्वास्थ रक्षक प्रतियोगिता आदि सेवा के कार्य किए जा रहे हैं। इसी के अंतर्गत आदर्श गाँव पेण्ड्री में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन गौठान परिसर में किया गया। जिसमें गाय, भैंस एवं बकरी आदि पशुओं के उपचार एवं चेचक टीका, सर्दी एवं गर्मी में पशु प्रबंधन एवं आहार की जानकारी दी गयी। इस अवसर पर 45 किसानों के 120 पशुओं का चिकित्सकीय परीक्षण एवं इलाज किया गया।

शिविर का उद्घाटन माँ भारती एवं भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें डॉ. बी.पी. चंद्रकर व श्री गजेंद्र यादव (मुसराकलाँ), श्री के. सी. वर्मा (बिल्हरी), श्री चुन्नीलाल बंजारे व श्रीमती संध्या वर्मा (परिचालक-कसारी), श्री तामेश्वर वर्मा (ग्राम प्रधान), श्री मिथिलेश सिन्हा (उपसरपंच), महंत श्री सेवादास, श्री अमरदास साहिब, श्री योगदास (आश्रम समिति प्रबंधक), श्री जूराखन साहू (सेवाभावी), श्री दुर्गेश साहू (युवा संगठन अध्यक्ष) उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. बी.पी. चंद्रकर ने कहा कि पशुओं की देख-रेख गर्भावस्था से लेकर के हर समय रखनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पशुओं की बीमारी का कारण हम स्वयं हैं। क्योंकि हम पशुओं की छोटी-छोटी समस्याओं की अनदेखी करते हैं यही आगे चलकर पशुओं के लिए जानलेवा साबित होती है। इसलिए किसी भी प्रकार की पशुओं में चिकित्सा से संबंधित समस्या दिखती है तो तुरंत अपने नजदीकी पशु चिकित्सक को अवश्य दिखाएं और उनसे सलाह करने के बाद ही किसी भी प्रकार की दवाई या टीका दें। इस शिविर में राजकुमार यादव, दानेश्वर सिन्हा, गुलाब साहू, खेमचंद साहू, कृष्णा यादव सहित समस्त ग्रामवासी एवं पशुपालकों का भरपूर सहयोग रहा।

अन्य कार्य

- अमृत महोत्सव के तहत आरती एवं चालीसा के साथ गो-पूजन किया गया, जिसमें 35 लोग उपस्थित रहे।

नेत्र परीक्षण शिविर नगलावर (मथुरा)

दीनदयाल धाम-मथुरा क्षेत्र के आदर्श गाँव नगलावर में अमृत महोत्सव के अंतर्गत ग्रामीणों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अनुभवी डॉक्टरों द्वारा नेत्र जाँच के साथ-साथ उनका इलाज भी किया गया। बुखार, जुखाम, खांसी, दस्त आदि की दवा निशुल्क वितरित की गई। शिविर में गाँव के नौजवान, बच्चों तथा बुजुर्गों के साथ साथ 75 महिलाओं ने भी लाभ लिया। सर्दी अधिक होने के कारण गाँव में खांसी, बुखार, जुखाम, सिर दर्द जैसी बीमारियों से लोग परेशान रहते हैं जिसके इलाज हेतु मरीजों को आसपास के चिकित्सालय में लंबी कतार और भीड़ का सामना करना पड़ता है।

शिविर की सफलता के लिए एक दिन पूर्व गाँव के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर ग्रामीणों से स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने के लिए आग्रह किया तथा प्रचार वाहन भी आस-पास के गाँव में घुमाया गया। नेत्र परीक्षण शिविर में विशेषज्ञ डॉ. अमित भारद्वाज, डॉ. मनोज जी, डॉ. सिद्धार्थ जी, डॉ. जितेंद्र जी के द्वारा नि:शुल्क सेवायें दी गयी। इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में श्री अजय खरसन जी (सह जोन इंचार्ज) ने सबको बताया कि अपने शरीर को हमेशा स्वस्थ रखना चाहिए। हम अनियमित दिनचर्या एवं खान-पान से ही अस्वस्थ्य होते हैं। सुबह उठकर उषापान करना, गर्म कपड़े पहनना, ठण्ड से बचके रहना, प्रतिदिन योग, ध्यान, प्राणायाम करना, अच्छा खान-पान आदि हमें अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

क्षेत्र प्रमुख पुरुषोत्तम जी ने बताया कि **हमारी रसोईघर में ही कई प्रकार की चिकित्सा उपलब्ध है। बस हमें जानकारी जुटाने की आवश्यकता है। जानकारियों के अभाव में हम सब अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा दवाईयों पर खर्च करते हैं।** इस शिविर से लोगों को बहुत लाभ मिला हैं।

अन्य कार्य

- 22 लोगों द्वारा गौ-पूजन किया गया।
- सूर्या संस्कार केन्द्र के 30 बच्चों को बरसाना व नन्दगांव में स्थित राधा रानी एव नंदबाबा मन्दिर के दर्शन कराया गया।
- संस्कार केंद्र के 25 बच्चों द्वारा परिवारों में 12 दिसंबर को शौर्य दिवस मनाया गया।

महिला स्वास्थ्य शिविर में सेनेटरी पैड वितरित कर जागरूक किया

मूण्डला - मध्य प्रदेश

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा समय-समय पर मूण्डला गाँव में स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पिछले 2 वर्षों में कोरोना महामारी के समय भी फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं ने गाँव में लोगों को घर-घर जाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। साथ ही मास्क, सैनिटाइजर, एवं काढ़े का वितरण किया।

गाँव में नेत्र चिकित्सा शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें गाँव में ही लोगों की जाँच के बाद बीमारियों का इलाज किया गया और नि:शुल्क दवाएं भी दी गई। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित ऐसे स्वास्थ्य शिविरों से गाँव के आर्थिक रूप से कमजोर कई परिवारों को लाभ मिला। इसी क्रम में 18 दिसंबर को गाँव की महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिए महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऐसा देखने में आता है कि गाँव की महिलाएं अपने दैनिक कार्यों में अधिक व्यस्तता के कारण अपने स्वास्थ्य के प्रति कम सजक रहती हैं और वह अपनी बीमारियों को बताने में भी संकोच करती हैं।

इससे वह कई तरह की संक्रामक बीमारियों से ग्रसित हो जाती हैं। शिविर में तहसील इछावर से डॉ. पूजा ठाकुर (बीएनवाईएस और योगा गोल्ड मेडलिस्ट) ने गाँव की माताओं-बहनों को को सेनेटरी पैड की उपयोगिता और सेनेटरी पैड बनाने की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही शिविर में उपस्थित 90 महिलाओं को सूर्या फाउण्डेशन की ओर से सेनेटरी पैड वितरित किए गए।

यह शिविर विशेषकर महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था, लेकिन शिविर में गाँव के बुजुर्गों, माताओं और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया। शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर के साथ सर्दी, जुखाम, बुखार आदि की नि:शुल्क जांच की गई और मरीजों को उचित दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में गाँव के आँगनबाड़ी कार्यकर्ती श्रीमती अनीता ठाकुर, सरपंच श्री कैलाश पटेल, श्री गुलाब सिंह (शिक्षक) के साथ 130 लोग उपस्थित रहे। सूर्या फाउण्डेशन की इस पहल का गाँव के लोगो ने बहुत प्रशंसा की।

अन्य कार्य

- सूर्या फाउण्डेशन द्वारा तीन किसानों को गौ-मूत्र पात्र उपलब्ध कराए गए।
- संस्कार केन्द्र पर प्रतिदिन सामूहिक राष्ट्रगान की शुरुआत हुई।
- संस्कार केंद्र के बच्चों को पोस्टकार्ड लिखने की विधि बताई गई।

समूह के महिलाओं ने की रोजगार की पहल - नयागाँव (हरियाणा)

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत आदर्श गाँव नयागाँव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने हरियाणवी पोशाक (दामन) बनाने का कार्य शुरू किया है। सूर्या फाउण्डेशन के प्रयास से धाकड़ हरियाणा की संस्थापक मोनिका मान जी ने पारंपरिक हरियाणवी पोशाक बनाने के लिए समूह की महिलाओं को अवसर दिया जिसे महिलाएँ बहुत रुचि से कर रही हैं। मोनिका मान जी हरियाणा की रहने वाली हैं और इन्होंने हरियाणा के खत्म होते कल्चर (पोशाक) को पुनर्जीवित कर लोगों के बीच लाने का कार्य शुरु किया।

मोनिका जी का कहना है कि हमें हमारे खत्म होते जा रहे पहनावे को फिर से समाज और लोगों के बीच लाना है। जिसे उन्होंने धाकड़ हरियाणा का नाम दिया। मोदी जी के अभियान लोकल फॉर वोकल से प्रभावित मोनिका जी ने हरियाणवी ड्रेस बनाना शुरू किया। उन्होंने ड्रेस बनाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जिसकी लोगों ने खूब सराहना की और लोगों की मांग आने लगी। कोरोना महामारी आ जाने के कारण काम को आगे बढ़ाने में दिक्कत आने लगी। उन्होंने सूर्या फाउण्डेशन के सिलाई केन्द्र के माध्यम से महिलाओं को घर बैठे ही रोजगार शुरु करवाया और दामन बनाने का कार्य दिया।

एक दामन बनाने में दो से तीन महिलाओं की आवश्यकता होती है। प्रारंभ में सामान को बेचने में बहुत दिक्कत होती थी। लेकिन गाँव की महिलाओं व मोनिका जी ने यह निश्चय किया। यह पहनावा हरियाणा ही नहीं बल्कि देश विदेशों तक पहुंचाएंगे। हरियाणवी फैशन को लोगों के बीच लाएंगे इसी संकल्प के साथ उन्होंने नयागांव के प्रगति स्वयं सहायता समूह की चार बहनों के साथ दामन चुन्नी बनाने का कार्य शुरू किया। आज इन बहनों को महीने में 20 से 25 हजार रुपए तक की बचत हो जाती है। यह दामन अब सिर्फ हरियाणा ही नहीं बल्कि देश विदेशों तक भी जाता है।

मोनिका मान जी (समाजसेविका)

स्वावलंबी, स्वाभिमानी भाव जगाना है।

पूजा पाठ के साथ चलाया घर घर तुलसी अभियान

नांदियाकल्ला (राजस्थान)

हर-घर के आँगन में तुलसी,
तुलसी बड़ी महान।
जिस घर में तुलसी रहे
वह घर स्वर्ग समान॥

अन्य कार्य

- अमृत महोत्सव के अंतर्गत 28 लोगों द्वारा गौ-पूजन कार्यक्रम किया गया।
- मातृशक्ति के माध्यम से महाराणा प्रताप वाटिका की साफ सफाई की गयी।
- युवाओं द्वारा गाँव की मुख्य सड़क के किनारे लगे 51 बरगद और पीपल में पानी देने का काम किया गया।

सनातन धर्म में तुलसी को माँ का दर्जा दिया गया है और प्राचीनकाल से ही तुलसी के पौधे की पूजा होती आ रही है। तुलसी का पौधा औषधीय रूप में भी प्रयोग किया जाता है। तुलसी का पौधा हर घर के आँगन की शोभा होती है। कहते हैं कि तुलसी का पेड़ घर में होने से हमेशा माँ लक्ष्मी का वास होता है। हिंदू मान्यताओं में तुलसी के पौधे को विष्णु प्रिया के रूप में पूजा जाता रहा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वृंदा के रूप में तुलसी भगवान विष्णु की परमभक्त थी।

इस प्रकार की कई बातों का वर्णन आता है। सूर्या फाउण्डेशन का एक प्रयास यह भी रहता है कि गाँव के लोग अपने हिन्दू संस्कृति और मान्यताओं को भूले नहीं इसी विषय को ध्यान मे रखकर गाँव की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से पूरे विधि विधान से तुलसी पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तुलसी के महत्व के बारे मे बताया गया।

शाम के वक्त तुलसी के पेड़ के नीचे घी का दिया जलाना चाहिए इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। तुलसी के पत्तों की तरह तुलसी के बीज के फायदे भी अनगिनत होते हैं। तुलसी के बीज और पत्तियों का चूर्ण का भी प्रयोग किया जाता है। इन पत्तियों में कफ, वात दोष को कम करने, पाचन शक्ति एवं भूख बढ़ाने और रक्त को शुद्ध करने वाले गुण होते हैं। इसके अलावा बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियाँ, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण आदि में बहुत फायदेमंद है।

तुलसी के औषधीय गुणों में राम तुलसी की तुलना में श्याम तुलसी को प्रमुख माना गया है। दिमाग के लिए भी तुलसी पत्ते के रोजाना सेवन से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है और याद्दाश्त तेज होती है। इसके लिए रोजाना तुलसी की चार-पांच पत्तियों को खाना चाहिए। कार्यक्रम मे उपस्थित सभी महिलाओं ने **जय-जय तुलसी, जय जय राम** के भजन के साथ पूजन किया और अपने घर तुलसी का एक-एक पौधा लगाने का संकल्प लिया।

पशुओं को बांटी जूँ, चीचड़ की दवा
फफूण्डा (मेरठ)

पशुपालकों में जागरूकता आए इसके लिए केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान केंद्र मेरठ के सहयोग से सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आदर्श गाँव फफूण्डा में पशु प्रबंधन और स्वास्थ्य जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें 70 पशुपालकों ने भाग लिया। वैज्ञानिकों ने बताया पशुपालन से तात्पर्य पशुधन को बढ़ाने और इनके चयनात्मक प्रजनन से है। इसमें प्रमुख पशु प्रबंधन तथा देखभाल होती है। जिसमें लाभ के लिए पशुओं के आनुवंशिक गुणों एवं व्यवहारों को विकसित किया जाता है। बड़ी संख्या में किसान अपनी आजीविका के लिये पशुपालन पर निर्भर हैं। इससे ग्रामीण आबादी के लगभग 55% लोगों को आजीविका मिलती है। इतना ही नहीं भारत में विश्व का सबसे अधिक पशुधन है।

20वीं पशुगणना के अनुसार भारत में लगभग 53 करोड़ पशुधन है और दुग्ध उत्पादन में भी भारत पिछले कई दशकों से विश्व में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस सब के बावजूद प्रति पशु उत्पादकता अपेक्षाकृत कम है। इसका प्रमुख कारण, पशुपालकों में पशु प्रबंधन के प्रति जागरूकता की कमी है। जिसकी वजह से पशुओं को सही पोषण नहीं मिल पाता और पशु कई रोगों से ग्रस्त हो जाते हैं। परिणामस्वरूप पशु उत्पादकता में वृद्धि नही हो पाती, इन कमियों को दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने पशु पोषण चार्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उपस्थित सभी 70 किसानों को और जूं चिचड़ी पेट के कीड़ों से पशुओं को बचाने के लिए दवा वितरित की गई और दवा के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। सूर्या फाउण्डेशन के कार्यों की गाँव के लोग सराहना करते हैं एवं सहयोग भी कर रहे हैं।

अन्य कार्य

- गाँव में किसान दिवस कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें संस्कार केंद्र पर चित्रकला प्रतियोगिता करवाई गयी।
- 7 दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सिलाई प्रशिक्षण केंद्र से माताओं-बहनों को मिला स्वरोजगार लोनाँव (गोरखपुर)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव लोनाव उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के तहसील खजनी, ब्लॉक बासगाँव के अन्तर्गत आता है। यहाँ पर सूर्या फाउण्डेशन द्वारा 2013 से ही संस्कार केंद्र एवं यूथ क्लब संचालित हो रहा है। जिसका प्रभाव आस-पास के गाँवों में भी रहता है। 2018-19 मे सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव में एक सिलाई केन्द्र खोला गया। जिसमें प्रशिक्षण लेकर कई बहनों ने अपना रोजगार शुरु किया। आज वे अपनी पढ़ाई एवं घर के छोटे-छोटे आवश्यक कार्यों में लगने वाले खर्चे मे सहयोग कर रहीं हैं। समय-समय पर गाँव में क्षेत्र के सेवाभावियो एवं सूर्या फाउण्डेशन के प्रमुख लोगों का प्रवास भी होता रहता है। इसी क्रम मे गाँव के पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री जितेन्द्र सिंह जी का भी प्रवास हुआ और उनको फाउण्डेशन की चल रही गतिविधियों के बारे में बताया गया, जिससे प्रेरित होकर उन्होंने महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए माह दिसम्बर 2021 में एक सिलाई मशीन लोनाव गाँव की बहनों को दिया। यह सिलाई मशीन गाँव के दलित बस्ती की बहनों के रोजगार में सहयोग कर रहीं हैं। इस प्रकार फाउण्डेशन की टीम के प्रयास एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य के माध्यम से गाँव मे स्वरोजगार की दिशा में सराहनीय कार्य हुआ, जिसकी प्रसंशा गाँव में हो रही है।

अन्य कार्य

- **70 मजदूरों का ई-श्रम कार्ड बनवाया गया।**
- **25 लोगों का आधार कार्ड बनवाया गया।**
- **दुर्गा माता मंदिर पर युवाओं के साथ मिलकर स्वच्छता की गयी।**

इक दौर नया दुनिया में शुरु...

इक दौर नया दुनिया में शुरू, हम सबके कदम से होगा
बदनाम हो जिससे देश अपना, वह काम न हमसे होगा।।
यह राम और श्रीकृष्ण की धरती, धरती बुद्ध महान की
सदियों से इस मिट्टी ने, अगुवाई दी बलिदान की
यह देश है अर्जुन भीम का, राणा प्रताप से वीर का
कुछ करके दिखायेंगे ...
यहाँ तुलसी, सूर-कबीर और मीरा, अमर तराने गा गये,
कालिदास और कवि विद्यापति, अमृत रस बरसा गये
यह जन्मभूमि टैगोर की, सब कवियों के सिरमौर की।
कुछ करके दिखायेंगे ...
यहाँ लाला लाजपत राय ने, सब दुनिया को ललकारा था
मर्द मराठा तिलक यहीं पर, सिंह समान दहाड़ा था।
आए सुभाष, आए गाँधी चली देश प्रेम की ये आँधी।
कुछ करके दिखायेंगे ...
कुछ करके दिखायेंगे हम भी, कुछ अपने ही दम से होगा

समाचार पत्रों में झलकियाँ

अमृत महोत्सव के तहत पशु चिकित्सा शिविर

राजनांदगांव(नांदगांव टाइम्स)। अमृत महोत्सव के अंतर्गत आदर्श गांव पैंड्री में पशु चिकित्सा शिविर गौठान परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें गाय, भैंस एवं बकरी आदि पशुओं की सभी प्रकार के ट्रीटमेंट, चेचक टीका, पशुओं का सर्दी में बचाव का उचित प्रबंधक, पशुओं के आहार की जानकारी एवं टीकाकरण किया गया, जिसमें 45 पशुपालकों के 120 पशुओं का चिकित्सक डॉक्टर एवं उनकी टीम के द्वारा चिकित्सा इलाज किया गया।

शिविर का उद्घाटन मां भारती एवं श्री कृष्ण की स्मृति के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें चिकित्सा डॉक्टर बी.पी. चंद्रकर, मुसरा, श्री के.सी. वर्मा बिल्हरी, श्री गजेंद्र कुमार यादव मुसरा कला, श्री चुन्नीलाल बंजारे परिचालक कसारी, श्रीमती संध्या वर्मा परिचालक कसारी, श्री तामेश्वर वर्मा ग्राम प्रधान पैंड्री, श्री मिथिलेश सिन्हा जी उपसरपंच पैंड्री, महंत श्री सेवादास जी, श्री अमरदास साहिब जी, श्री योगदास साहू जी आश्रम समिति प्रबंधक, श्री जूराखन साहू जी सेवाभावी, श्री दुर्गेश साहू जी युवा संगठन अध्यक्ष, द्वारा शिविर का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि उद्बोधन मैं चिकित्सा डॉक्टर बी.पी. चंद्रकर जी, जी ने कहा कि पशुओं की रेख देख, गर्भावस्था से लेकर के हर समय रखना चाहिए, जिस में कृत्रिम गर्भाधान के लाभ गाय एवं भैंस को गर्मी से

विस्तार रूप से सभी पशु पालको को जानकारी दी गई, एवं हमारे पशुओं का आहार कैसा हो इसके ऊपर विस्तार पूर्वक बताया गया, पशुओं की सबसे बड़ी बीमारी का कारण हम स्वयं खुद हैं क्योंकि पशुओं की छोटी-छोटी समस्याओं को अनदेखा करना बाद में हमें भी और पशुओं को भी जानलेवा साबित हो सकता है इसलिए समय रहते किसी भी प्रकार की पशुओं में चिकित्सा से संबंधित समस्या दिखती है तो तुरंत अपनी नजदीकी चिकित्सक डॉक्टर को अवश्य दिखाएं और उसे सलाह करने के पश्चात ही किसी भी प्रकार की दवाई टीका दें, गाय की स्वदेशी नस्लें एवं उसकी उत्पादन क्षमता किस प्रकार बनाई जाती हैवही फील्ड सेवा प्रमुख श्री राजेंद्र हिंदुस्तानी जी ने बताया कि सूर्या फउंडेशन आदर्श गांव योजना के तहत पूरे भारत भर के 18 राज्यों के 400 से अधिक गांव में अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न प्रकार की सेवा कार्य किए जा रहे जिसमें पशु चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य शिविर, किसान गोष्ठी, भारत दर्शन, बुजुर्ग सम्मान, सैनिक सम्मान, मातृशक्ति सम्मेलन, विद्यार्थी सम्मान, प्रतिभा प्रदर्शन, खेलकूद प्रतियोगिता, कौन बनेगा स्वास्थ रक्षक प्रतियोगिता, जैसे विभिन्न प्रकार के सेवा

सूर्या फाउण्डेशन ने अमृत महोत्सव के तहत कादीपुर में किया बुजुर्गों का सम्मान

स्वतंत्र चेतना

वाराणसी। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत आज काशी क्षेत्र के कादीपुर गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। फाउंडेशन की योजना के अनुसार गांव के ऐसे बुजुर्ग जिनकी आयु 75 वर्ष वर्ष से अधिक है उनको सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया, कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को तिलक, पटका एवं नारियल श्री फल देकर सम्मानित किया गया। क्षेत्र प्रमुख कुलदीप जी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए आए हुए लोगों को देव तुल्य बताते हुए गांवों में चल रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। चयनित आदर्श गांव प्रमुख विकास विश्वकर्मा जी ने सभी को संकल्प कराकर युवा जोश भर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिखर कान्वेंट स्कूल के प्रबंधक एवं नगर बौद्धिक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विनोद द्विवेदी जी ने बताया की हमारे देश को आजाद हुए 75 वर्ष हो गए और यहां पर सभी लोग 75 वर्ष के ऊपर वाले उपस्थित हैं देश को आजादी कैसे मिली आपलोगों से बेहतर कौन जानता है, आज इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी माता पिता तुल्य वरिष्ठजनों का आशीर्वाद एवं अनुभव नई पीढ़ी को मिलना चाहिए ताकि आज इस बिगड़ते हुए समाज को सुधार जा सके। कार्यक्रम के आयोजन में कार्यकर्ता सुरेन्द्र भैया, रामविलास भैया, कार्यकर्ती श्रीमती गीता देवी एवं श्रीमती सुमन देवी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का

पॉलिथीन मुक्त अभियान: सूर्या फाउंडेशन ने बांटे कपड़े के थैले

- **75वें अमृत महोत्सव के तहत मंझरा गांव में आयोजित किया गया कार्यक्रम**

भास्कर समाचार सेवा

काशीपुर। देश मे चल रहे आजादी का 75वें अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत बसई का मंझरा गांव मे सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना द्वारा पॉलिथीन मुक्त अभियान के तहत गांव मे कपड़े का थैला वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जसपुर ब्लाक से राज्य आजीविका मिशन के प्रमुख हरेंद्र बिस्ट, सूर्या रोशनी लिमिटेड काशीपुर के

लोगों को थैले वितरित करते संस्था के पदाधिकारी।

महाप्रबंधक संजीव कुमार, सूर्या फाउंडेशन के जोन इंचार्ज भरतराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हरेंद्र

सामाजिक क्षेत्र में अच्छे काम कर रही है। जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं।

जागरूकता के साथ साथ रोजगार के प्रति भी लोगो को अग्रसर कर रहे हैं। पॉलीथिन मुक्त अभियान के तहत गांव मे थैला वितरण किया जा रहा है। सूर्या रोशनी के महाप्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि हमारे गांव व देश मे स्वच्छता की जो जरूरत है, उसका मुख्य कारण पॉलिथीन है। पॉलिथीन का उपयोग बहुत तेजी से हो रहा है। जिससे हमारे गांव अस्वच्छ बनते जा रहे है।

पॉलिथीन का दुष्प्रभाव हमारी उपजाऊ जमीन पर भी पड़ता है। इसके प्रभाव से बचना है तो, इसके उपयोग को कम करना होगा। हम अपने दैनिक उपयोग के लिये समान लेने बाजार जाते है तो एक भी साथ लाते हैं। अगर आप दैनिक उपयोग मे कपड़े के थैला का उपयोग करते हैं, तो आप पॉलिथीन के प्रभाव से बच सकते हैं। भरतराज ओझा ने बताया कि गांव मे अगर महिलायें किसी कार्य को करने का संकल्प लेती हैं तो उस गांव मे बदलाव जल्द ही होता है।

गांव मे संचालित सूर्या सिलाई केंद्र की महिलाओं ने अपने गांव में ही कपड़े का थैला बनाया है। उनकी छोटी सी पहल से ही गांव में कपड़े का थैला वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र ने किया। इस दौरान राज्य आजीविका मिशन भरतपुर कलस्टर की अध्यक्ष संध्या चौबे, पीएलवी गीताचंद्रा, नीतिश कुमार, रणधीर सैनी, हरीश सैनी समेत ग्रामीण उपस्थित रहे।

Visit Facebook page for More Details

- Lonav
- Naglawar
- Kadipur
- Fafunda
- Basai
- Mundla
- Saloi
- Nayagaon
- Pendri
- Nandiyakalla